Punjab Kesari. Sunday, 31 October, 2010

पंजाब केसरी

पानीपत, रविवार 31 अक्तूबर 2010 | तदनुसार 15 कार्तिक विक्रमी सम्वत 2067 | Sunday, 31 October, 2010

धर्म को व्यवसाय बनाना गलत :स्वामी चामुंडा

ज्योतिष मार्गदर्शक है डिसीजन मेकर नहीं, देवीय यात्रा का पदार्पण हुआ करनाल में

करनाल, 30 अक्तूबर (जैन): धर्म को प्रोफैशनल बनाना गलत काम है। धर्म का जो अध्यात्म के विपरीत फायदा उठाते हैं, वह क्षमा करने लायक नहीं हैं। यह बात वर्ल्ड स्प्रिच्युल आर्गेनाइजेशन के प्रमुख तथा तथास्तु के मार्गदर्शक स्वामी चामुंडा ने कही। उन्होंने यह भी कहा कि काल सर्प योग लोगों को बेवकूफ बनाने का माध्यम होता है। इसका कोई फल नहीं होता। उन्होंने कहा कि ज्योतिष मार्गदर्शक तो है लेकिन डिसीजन मेकर नहीं। आज करनाल में तथास्तु की डिवाइन जर्नी का पर्दापण हुआ। इस अवसर पर तथास्तु के प्रमुख जार्ज बी. भाला तथा भजन गायक अनूप जलोटा विशेष तौर पर मौजूद थे।

वर्ल्ड स्प्रिच्युल आर्गेनाइजेशन के प्रमुख तथा तथास्तु के मार्गदर्शक स्वामी चामुंडा पत्रकारों से बातचीत करते हुए। (देवेंद्र)

इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्वामी चामुंडा ने कहा कि ऋषि-मुनियों के जींस हमारे भीतर भी हैं। हमें जरूरत है, उन्हें उभारने की। इनको उभारने का काम तथास्तु तथा वर्ल्ड स्प्रिच्युल आर्गेनाइजेशन कर रही है। उन्होंने बताया कि डिवाइन जर्नी की शुरूआत अमरीका में हुई थी। यह आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, मैक्सिको तथा जापान से होती हुई भारत में पदार्पण कर रही है। इसकी शुरूआत देवभूमि हिमाचल प्रदेश के पालमपुर जिले से हुई। अब इस यात्रा का दूसरा पड़ाव करनाल में आज हुआ है। अभियान के प्रमुख जार्ज वी. भाला ने बताया कि जो ऋषि मुनियों से ज्ञान मिला था, उसी ज्ञान को आज जगह-जगह दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि श्री-श्री रविशंकर दलाई लामा, दीपक चोपड़ा व स्वामी रामदेव जैसी महान हस्तियों का आशीर्वाद तथास्तु आध्यात्मिक पत्रिका को मिला है। वह चाहते हैं कि भारत में भी यह यात्रा गांव-गांव पहुंचे। इस मौके पर स्वामी चामुंडा ने कहा कि मंत्रों के जाप में अपार शक्ति होती है। इसके लिए जरूरी है कि अपने इगो का त्याग किया जाए। उन्होंने बताया कि धर्म को व्यवसाय के लिए इस्तेमाल करना गलत है। हमें आडम्बरों से दूर रहकर सच का सामना करना चाहिए। मन की शक्ति को जगाने से भटकाव दूर होता है। वह माइंड, बाडी और सोल की एकरूपता से व्यक्ति को प्रमाणिक बनाना चाहते हैं। इस अवसर पर पठानकोट से आए श्री शारदा, दीपक शर्मा, प्रवेश गाबा के साथ-साथ दिव्या औहरी व अन्य मौजूद थे।